

# हिंदी दूसरी भाषा के रूप में

प्रश्न-पत्र 0549/01  
पढ़ना और लिखना

## प्रमुख संदेश

- अभ्यास 1, 2 और 3 के भीतर प्रमुख महत्व पढ़ने की कुशलता को दीजिए। याद रखें कि वर्तनी की अशुद्धियों को परीक्षक तभी अनदेखा कर सकते हैं यदि वे सम्प्रेषण में बाधा न बनें। विशेषकर अभ्यास 1 के भीतर स्पष्ट उत्तर को पूरे वाक्य में लिखने की आवश्यकता नहीं है।
- अभ्यास 3 के भीतर नोट्स लेखन को पूरे वाक्य के रूप में लिखना अनिवार्य है।
- अभ्यास 5 और अभ्यास 6 के भीतर सिर्फ अंतर्वस्तु के लिए ही नहीं बल्कि सटीक भाषा के लिए भी अंक दिये जाते हैं। अतः परीक्षार्थियों को ध्यानपूर्वक अपने लेखन के भीतर वर्तनी एवं व्याकरण संबंधी अशुद्धियों की जाँच कर लेनी चाहिए।

## सामान्य टिपणियाँ

संशोधित पाठ्यक्रम 0549 दूसरी भाषा के रूप में हिंदी की परीक्षा का यह पहला वर्ष था। यह देखकर अति प्रसन्नता हुई कि अधिकाँश छात्रों ने नियमों का पालन किया और बहुमत छात्रों ने शब्द सीमा के भीतर ही अपने उत्तर लिखे। बहुमत विद्यार्थी अभ्यास 2, 3, 5 और 6 के प्रति सहज प्रतीत नज़र आये।

## प्रश्न संबंधी टिपणियाँ

### भाग 1

#### अभ्यास 1 प्रश्न 1-5

यह अभ्यास सीलमपुर नामक एक इलाके के बारे में था। पाठों के भीतर बताया गया कि कैसे पहले कई ऐसे समूह थे जो गैर सामाजिक गतिविधियों में जुड़े थे। चोरी एवं हिंसात्मक घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों का जीवन काफी असुरक्षित था। लेकिन गैर सरकारी संगठन के प्रयासों से इस स्थान के भीतर कई परिवर्तन आये। कानून और सुरक्षा की दृष्टि से इस क्षेत्र में कई सुधार नज़र आये। इन नये प्रयत्नों के फलस्वरूप लड़कियों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ा और वे बाहर निकलने के प्रति सुरक्षित महसूस करने लगीं। बहुमत छात्रों ने प्रश्न 1 से 6 के उत्तर सहजता से दिये। कुछेक परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न 2 और 3 कठिन प्रतीत हुए। प्रश्न 2 था कि 'लोगों को सीलमपुर के मकानों में रहने के लिए क्यों भेजा गया?' इसका सही उत्तर था इन लोगों को सफाई अभियान के कारण नये

घरों में भेजा गया। किन्तु कुछेक परीक्षार्थियों ने लिखा कि उन्हें सीलमपुर के फ्लैट्स में स्थानांतरित किया गया। यह पर्याप्त उत्तर नहीं था, इसलिए उन्हें अंक नहीं मिले। प्रश्न 3 था कि 'बस्ती में रहने वाले लोगों का अधिकतर पेशा क्या था?' कुछेक परीक्षार्थी प्रश्न नहीं समझ सके और उन्होंने शिक्षा से संबंधित दो बिन्दुओं को जोड़ दिया। संभवतः यहाँ पर हिंदी शब्द 'पेशा' समझने में परीक्षार्थियों को कठिनाई हुई।

### अभ्यास 2 प्रश्न 7-15

यह अभ्यास अब बहुविकल्पी प्रारूप में पेश किया जाता है। पाठाँश पढ़ने के बाद परीक्षार्थी को सही बक्से के भीतर सही का निशान लगाना पड़ता है। यह नया अभ्यास आश्चर्यजनक रूप से परीक्षार्थियों को सहज प्रतीत हुआ। अधिकाँश छात्रों ने इस अभ्यास के भीतर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बहुत ही कम छात्रों ने इस अभ्यास के भीतर गलतियाँ कीं।

### अभ्यास 3 प्रश्न 16-19

इस वर्ष का विषय ऑर्किड फूल पर केन्द्रित था। इस लेख के भीतर ऑर्किड की विविध श्रेणियों और उनको उगाने के लिए उचित वातावरण पर चर्चा जोड़ी गई थी। नये पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षार्थियों को दिये गये शीर्षकों के तहत अपने नोट्स लिखने थे।

**प्रश्न 16** प्रथम शीर्षक के अंतर्गत परीक्षार्थियों को ऑर्किड की लोकप्रियता से संबंधित किन्हीं दो बिन्दुओं को जोड़ना था। अधिकाँश छात्र केवल एक ही सही बिन्दु जोड़ पाये। इसका प्रमुख कारण था कि अधिकाँश परीक्षार्थियों के दोनों बिन्दु केवल ऑर्किड की सुंदरता से संबंधित थे। लेकिन सुंदरता से जुड़े दोनों बिन्दुओं को सिर्फ एक बिन्दु माना गया इसलिए उन्हें इसके लिए एक ही अंक दिया गया।

**प्रश्न 17** ऑर्किड को उगाने के लिए कैसा वातावरण चाहिए, इसका उत्तर देने में अधिकाँश परीक्षार्थी सफल रहे।

**प्रश्न 18** ऐसे दो बिन्दु लिखें जो ऑर्किड की औषधिय विशिष्टता को दर्शाते हों। इसका सही उत्तर देने में भी बहुमत छात्र सहज नज़र आये।

**प्रश्न 19** ऑर्किड के तीन विविध रंगों के फूलों की तीन विशेषताएँ लिखें। अधिकाँश विद्यार्थी इन विशेषताओं को बताने में सक्षम रहे।

### अभ्यास 4 प्रश्न 20

नये पाठ्यक्रम के अनुसार जिस पाठाँश को नोट्स लिखने के लिए प्रयोग किया गया था उसी पाठाँश को परीक्षार्थियों को साराँश लेखन के लिए भी अभ्यास 4 के भीतर प्रयोग करना था। यह ध्यान देने लायक पहलू है कि यद्यपि अभ्यास निर्देश के अंतर्गत स्पष्ट लिखा गया था कि किन बिन्दुओं को साराँश लेखन के भीतर जोड़ना है। इसके बावजूद अधिकाँश परीक्षार्थियों ने इन निर्देशों को अपने लेखन में नहीं जोड़ा। इसके फलस्वरूप अधिकाँश परीक्षार्थी अंतर्वस्तु के पूरे चार अंक अर्जित नहीं कर सके। इस वर्ष अभ्यास के निर्देश के भीतर परीक्षार्थियों से तीन बिन्दुओं पर लेखन का आग्रह था।

प्रथम, ऑर्किड फूल के विविध प्रयोग। द्वितीय, ऑर्किड के समक्ष आने वाले खतरे। तृतीय, ऑर्किड के बचाव और संचयन की प्रक्रिया। अधिकाँश छात्र भाषा के लिए अच्छे अंक अर्जित करने में सफल रहे। लेकिन जो परीक्षार्थी अंतर्वस्तु के लिए सार्थक बिन्दुओं को नहीं जोड़ पाये उन्हें भाषा के अंक भी नहीं मिले।

### अभ्यास 5 प्रश्न 21

यह प्रश्न लेखन के अभ्यास के रूप में पहली बार जोड़ा गया था। परीक्षार्थियों को अपने नज़दीकी मित्र को ई-मेल लिखना था। प्रत्येक परीक्षार्थी से अपेक्षा थी कि वे अपने ई-मेल के भीतर तीन विशेष बिन्दुओं का समावेश करेंगे। (1) जब वे अपने मित्र के साथ थे उन यादों के बारे में लिखें। (2) उस अनुभव के बारे में भी लिखें जब वह उससे सोशल मीडिया पर मिले। (3) साथ ही अपनी इच्छा को भी व्यक्त करें कि वह उससे प्रत्यक्ष रूप से मिलना चाहते हैं। अधिकाँश परीक्षार्थियों ने इस लेखन कार्य को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न किया। बहुमत परीक्षार्थियों ने तीन प्रमुख बिन्दुओं को लिखा और अंतर्वस्तु के पूरे अंक प्राप्त किये और भाषा के भी श्रेष्ठ अंक अर्जित किये।

**अभ्यास 6:** इस वर्ष निबंध का विषय प्रश्न के रूप में दिया गया था कि क्या पैसों से खुशी खरीदी जा सकती है इससे पहले कि परीक्षार्थी अपनी सहमति अथवा असहमति दें, उन्हें दो विपरीत बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए अपने विचार लिखने थे। (1) पैसे से मन की सभी इच्छाएँ पूरी की जा सकती हैं। (2) पैसे से सबकुछ खरीदा नहीं जा सकता। इस प्रारूप को नये पाठ्यक्रम के अनुसार शामिल किया गया था। इसके अनुसार अनिवार्य था कि परीक्षार्थी अपने लेखन के भीतर इन दो विपरीत बिन्दुओं को जोड़ें। कई परीक्षार्थियों ने इन दो विपरीत बिन्दुओं से संबंधित पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किये। श्रेष्ठ लेखनों के भीतर सिर्फ़ इन कारणों पर ही चर्चा नहीं थी बल्कि उनके समर्थन में कई सटीक उदाहरण भी जोड़े गये।

व्याकरण और वर्तनी की अशुद्धियाँ अभी भी प्रधान चिंता का कारण बना हुआ है। अभी भी वर्तनी की गलतियाँ निसंदेह प्रमुख पहलू हैं जिसपर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। इस पक्ष पर सुधार के द्वारा परीक्षार्थियों के परीक्षा परीणामों में सुधार किया जा सकता है।

# HINDI AS A SECOND LANGUAGE

---

Paper 0549/01  
Reading and Writing

## Key messages

In Exercises 1, 2 and 3 the emphasis is on reading skills. Spelling errors are tolerated provided they do not interfere with communicating the correct answer to the examiner. As long as the answer is clear, candidates are not required to write in full sentences.

In Exercise 3, complete sentences are expected while writing the notes.

In Exercise 5 and Exercise 6, marks are awarded not only for content but also for accuracy of language. Therefore, it is important that candidates check their work carefully for spelling and grammatical errors.

## General comments

This was the first attempt to test the revised syllabus of 0549 Hindi as a second language. It was reassuring to see that most candidates followed the guidelines well and most of them had written their answers within the word limit. The majority of candidates appeared to be at ease with Exercises 2, 3, 5 and 6.

## Comments on specific questions

### **Section 1**

#### **Exercise 1 Questions 1–5**

This exercise focuses on a text about a place called Seelampur. It highlights how earlier the activities of several anti-social groups, a number of thefts and violent incidents had made life for residents of this area very insecure. The subsequent involvement of NGOs and their efforts transformed the place. This same area became much better from the point of view of law and order. The introduction of several new measures gave girls greater self-confidence and courage to go out alone and also start working. The majority of candidates had no difficulties in answering **Questions 1 to 6**. Few candidates found **Question no. 2**, and **3** difficult.

**Question 2** was: Why were people shifted to new houses built in Seelampur? The correct answer was: They were shifted to the newly built houses due to the cleanliness campaign. However, some of the candidates did not write this and just stated they were shifted to Seelampur flats. This was an inadequate answer and therefore they did not receive the mark for this point. **Question 3** was: Mention any two occupations which the people of the area were involved in. A few candidates misunderstood the question and wrote two points related to the school education. Perhaps the Hindi word occupation was not understood by the candidates.

#### **Exercise 2 Question 7–15**

This exercise is replaced by a multi choice exercise. After reading the text candidates were required to put a tick mark in the right box. This new exercise was surprisingly well received by the candidates. Most of the candidates performed very well in this exercise. Very few candidates made mistakes in choosing the right answers.

#### **Exercise 3 Questions 16–19**

The topic of this year's text was the orchid. This text described different varieties of orchids and the climate essential for growing this flower. According to the new syllabus candidates were expected to write notes under the given headings.

**Question 16** The first heading required candidates to write about the two different points related to the popularity of orchids. Most of the candidates managed to write only one correct point. The reason was that

most of the candidates mentioned both points related to its beauty only. However, since both these points relating to the orchid's beauty was considered only as one point. Candidates who have mentioned only these points have not received two points for their answer to this question.

**Question 17** What is the ideal climate to grow orchids? Several candidates managed to give two correct points.

**Question 18** Give two points which highlight the orchid's medicinal values. The majority of the candidates were able to give two correct points.

**Question 19** (Give) Three points related to the characteristics of three different colours of orchids. Most of the candidates correctly mentioned three characteristics.

#### **Exercise 4 Question 20**

According to the new syllabus the text that is the basis for questions set on note-making, is also the same text on the basis of which candidates are required to write a summary in Exercise 4. It is noteworthy that despite the fact that the rubric clearly explained the basis on which the summary should be written and mentioned what points need to be included in it, most of the candidates did not follow the rubric.

Consequently, few candidates managed to get the full four marks allocated for the content portion of this answer. This year's rubric asked candidates to write their summary on the basis of three points: firstly, the different uses of orchid flowers; secondly, the threat to the existence of the orchid and finally, the steps suggested for protecting and preserve this flower. Most candidates managed to get good marks for language. However, those who were unable to include any relevant points in their summary, were not awarded any marks for language.

#### **Exercise 5 Question 21**

This question is a new writing task that has been introduced this year for the first time. Candidates were expected to write an e-mail to someone who was earlier a close friend. This exercise asked candidates to include three specific points in their e-mail: (1) highlighting their memories of being together with their friend (2) writing how they felt when they met this friend on social media and (3) expressing their wish to meet her/him in person now. Most of the candidates managed to complete this writing task well. The majority of the candidates included these three points in their email and received full marks for content and also received good marks for language.

**Exercise 6:** This year the essay topic was framed in terms of the question: Can happiness be bought with money? However, while discussing to what extent they agreed with this view, candidates were also expected to reflect on two opposing views on money which was also presented in the question paper viz., (1) all one's wishes can be satisfied with money and (2) one cannot buy everything with money. This exercise and manner of setting the question has been done in accordance with the new syllabus which calls for not just giving a topic to candidates to write on but, also giving them two opposite views related to the topic that they must also consider while writing on the given theme. Several candidates gave some strong reasons in the favour of these two opposite views. Good answers not only highlighted these reasons but, also included valuable examples in support of their views.

Writing in Hindi without committing grammatical mistakes and spelling errors continues to be the central issue. Spellings mistakes is definitely an area of concern and should be addressed. Improvement in this would make a positive difference to candidates' grades.

# HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/02  
Listening

## हिन्दी रिपोर्ट

### श्रवण पेपर दूसरी भाषा के रूप में

### विशेष टिप्पणी

इस परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिये परीक्षार्थियों को चाहिये कि:  
जितना हो सके उत्तर उतना स्पष्ट लिखे जिस से अर्थ समझ में आ सके।  
अभ्यास 3 परीक्षा में ध्यान पूर्वक सभी सम्बंधित विस्तार अपने प्रश्नोत्तर में दें।

### सामान्य टिप्पणी

आम तौर से सभी परीक्षार्थियों ने परीक्षा में समग्र रूप से बहुत अच्छा प्रयास किया और सभी प्रश्नों के उत्तर देने की चेष्टा की है।

इस पेपर में सही जानकारी के सम्प्रेषण पर अंक दिये गये हैं। वर्तनी और व्याकरण की त्रुटि के आधार पर जवाब का मूल्यांकन नहीं किया गया फिर भी यदि भाषा त्रुटि से शब्दार्थ बदल जाए या अर्थ स्पष्ट न हो तो अंक नहीं दिये गये।

### विशिष्ट प्रश्नों पर टिप्पणियाँ

#### **अभ्यास 1 प्रश्न 1-6**

अधिकांश परीक्षार्थियों ने सवालों के जवाब अच्छे दिये हैं। प्रश्न 1-6 में संक्षिप्त उत्तर चाहिए और अधिकतर परीक्षार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त किए। शब्दों की वर्तनी में भिन्नता थी कुछ शब्द तो आम थे और परीक्षार्थियों से सही शब्द लिखने की आशा की गई है यदि भाषा त्रुटि से शब्दार्थ नहीं बदला है तो ही अंक दिये गए हैं। पर उदाहरण के लिए, 'सूचना पटों' के बजाय 'सूचना विभाग' लिखा है अंक नहीं दिया गया।

#### **प्रश्न 1**

ये ज्यादातर सही ढंग से उत्तर दिए गए थे, कुछ परीक्षार्थियों ने एक जैसे के लिए एक अंग्रेजी शब्द 'सेम' का इस्तेमाल किया, और उन्हें अंक से सम्मानित नहीं किया गया।

**प्रश्न 2**

में ध्यान पूर्वक सुनने की आवश्यकता है जिन्होंने 'सूचना पटों' को 'सूचना विभाग' लिखा है अंक नहीं दिये गए। इस प्रश्न में केवल सबसे योग्य परीक्षार्थी ही अंक प्राप्त कर सके।

**प्रश्न 3**

'दाहिने' के कई रूप थे, अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों की सही वर्तनी का उपयोग करने में स्पष्ट उलझाव हैं।

**प्रश्न 4**

महत्वपूर्ण शब्द 'रोमांचक भाषण' अधिकांश परीक्षार्थियों के लिए सुलभ थे। 'सोशल मीडिया में वायरल हो गए' जवाब को अंक नहीं मिले क्योंकि यह बजाय उत्तर के एक ध्यान खींचने वाला था।

**प्रश्न 5**

अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही उत्तर दिया और अंक हासिल किया।

**प्रश्न 6**

समझ में नहीं आने के कारण बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों द्वारा इसे अधिक चुनौतीपूर्ण पाया गया। उन्होंने इस प्रश्न में अंक खो दिया, जो क्लासिक हिंदी में था और प्राचीन भारतीय इतिहास से भी था। 'लोह इस्पात' या 'लोह' के लिए प्रसिद्ध सही उत्तर लेने में विफल रहे।

**प्रश्न 7(i)-(viii)**

इस अभ्यास में परीक्षार्थियों को उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करनी थी। पिछले भाग की तरह, वर्तनी की सटीकता एक प्रमुख मुद्दा था। स्पष्टलोकगीत हवाई अड्डे और दरगाह जैसे शब्दों में वर्तनी की भिन्नताएँ थीं।

**प्रश्न 8-15**

प्रश्न में परीक्षार्थियों को गलत दी गई को जानकारी को मौखिक सही जानकारी में बदलने की आवश्यकता है। अधिकांश परीक्षार्थी प्रश्न 8, 9, 11, 12, 13 और 15 के लिए अंक प्राप्त करने में कामयाब रहे, लेकिन प्रश्न 10 और 14 के साथ संघर्ष किया, कुछ परीक्षार्थियों ने गलत प्रश्न से नकल की।

**प्रश्न 16-23**

यह बहुविकल्पीय प्रश्न थे। अधिकांश परीक्षार्थियों ने प्रश्न 22 को छोड़कर सही विकल्प का चयन करने में अच्छा प्रदर्शन किया। कुछ संख्या में परीक्षार्थियों को यादृच्छिक बक्से का अनुमान लगाना और टिक करना या एक से अधिक बॉक्स को टिक करना प्रतीत होता था।

## **सारांश**

प्रश्न असामान्य रूप से चुनौतीपूर्ण नहीं थे, लेकिन संदर्भ को सुनने और पहचानने में सावधानी की आवश्यकता थी। परीक्षार्थियों को बहुत ध्यान से रिकॉर्डिंग को सुन कर और पहचान कर तथा उनके जवाब के लिए उपयुक्त विस्तार से चयन करना चाहिए। कुछ प्रश्नों तक पहुंचने और ध्वनियों और अक्षरों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हिंदी शब्दावली को बढ़ाने पर काम करने की आवश्यकता है, समान ध्वनि शब्दों पर विशेष ध्यान दें। शिक्षक को कक्षा में नियमित रूप से श्रुतलेख कराना चाहिए। अभ्यर्थियों को कक्षा में अभ्यास सुनने में यथासंभव अभ्यास करना चाहिए, और समयबद्ध परिस्थितियों में पिछले परीक्षा पत्रों का अभ्यास करना चाहिए। यह निश्चित रूप से समग्र मानक को बढ़ाने में मदद करेगा।



# HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/02  
Listening

## Key messages

In order to do well in this examination, candidates should:

Write their answers as clearly as possible so that the meaning can be understood.

Take care to include all the relevant details in their answers to the questions in **Exercise 3**.

## General comments

Overall, candidates performed quite well in this examination and the full range of ability was observed. Most candidates attempted all the questions in the paper.

For this component, credit is given for communication of the correct information. Answers are not assessed for accuracy of spelling and grammar. However, if language errors change the meaning or the meaning is unclear, the answer cannot be given credit.

## Comments on specific questions

### **Exercise 1 – Questions 1–6**

The majority of candidates performed reasonably well on this exercise. **Questions 1–6** require short answers, and most candidates fared well. There were variations in spelling of some words. Some of the words are part of basic vocabulary and candidates are expected to be able to spell them correctly. Marks were awarded if the misspelt word did not change the meaning, but not for answers such as, for example, सूचना विभाग information department instead of सूचना पटों which means information board.

### **Question 1**

These were mostly answered correctly, some candidates used an English word 'same' for एक जैसे, and were not awarded mark.

### **Question 2**

Required careful listening, the key words, सूचना पटों were not mentioned correctly. Even when some of the variations were accepted for awarding marks, only the most able candidates scored marks in this question.

### **Question 3**

Most of candidates scored a mark in this question. There were many variations of दाहिने, there are clear implications for using correct spellings of frequently used words.

### **Question 4**

The key words रोमांचक भाषण were accessible to majority of candidates. Answers with सोशल मीडिया में वायरल हो गया did not score marks as it was a distracter rather than the answer.

### Question 5

Most candidates answered correctly and achieved the mark.

### Question 6

This was found to be more challenging by a large number of candidates due to lack of understanding. They lost mark in this question, which was in classic Hindi and also from ancient Indian history. They failed to pick up the correct answer famous for 'Loh ispat' or 'loh'.

### Question 7 (i–viii)

Candidates were required to fill in the blank spaces with the appropriate word. As in the previous section, accuracy of spelling was a major issue. There were too many variations in spelling of words like स्पष्ट, हवाई अड्डे, लोकगीत and दरगाह.

### Questions 8–15

Candidates needed to replace the incorrect information with the correct information provided in the spoken text. Most candidates managed to score marks for **Questions 8, 9, 11, 12, 13 and 15**, but struggled with **Questions 10 and 14**. Some candidates copied up the incorrect text from the question.

### Questions 16–23

These were multiple choice questions. Most candidates fared well in selecting the correct option except for **Question 22**. A few numbers of candidates seemed to guess and ticked random boxes or ticked more than one box.

### Summary

The questions were not unusually challenging, but required careful listening and identifying the context. Candidates should listen to the recording very carefully and develop techniques and strategies to enable them to identify and select appropriate detail for their answers. There is a need to work on increasing Hindi vocabulary to access some questions and also to focus on sounds and letters, paying particular attention to similar sounding letters. Teacher should also perform dictation regularly in class. Candidates should gain as much practice as possible at listening exercises in class, and attempt past papers under timed conditions. This would certainly help to raise the overall standard.

# HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/03  
Speaking

## मुख्य संदेश:

2019 में पहली बार हिंदी में संभाषण परीक्षा हुई है।  
संभाषण परीक्षा के लिए कोई प्रश्नपत्र नहीं है। परीक्षा के तीन भाग हैं।

## भाग 1:

परीक्षार्थी द्वारा पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों से कोई एक विषय चुनकर 2/3 मिनट तक का प्रस्तुतिकरण। परीक्षार्थी परीक्षा भवन में अपने साथ एक क्यू कार्ड में अधिक से अधिक पाँच शीर्षक और कुछ चित्र आदि के उदाहरण ला सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रस्तुति के लिए कोई लिखित मदद या लेख लाने की अनुमति नहीं है।

## भाग 2:

प्रस्तुति के संबंध में परीक्षक के साथ 3/4 मिनट की परिचर्चा।

## भाग 3:

परीक्षार्थी का परीक्षक के साथ कम से कम दो सामान्य विषयों पर (एक विषय पाठ्यक्रम के विषय-खंड A-B से तथा एक विषय C-E से) 3/4 मिनट का वार्तालाप।

## सामान्य टिप्पणी:

इस वर्ष की संभाषण परीक्षा में अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति अच्छी थी। जिन परीक्षार्थियों की प्रस्तुति अच्छी थी, वे तीन भागों वाली परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयारी करके आए थे और परीक्षा के लिए दिए गए निदेशनों का पालन किया गया था। अधिकतर आंतरिक-मूल्यांकन-परीक्षकों ने परीक्षा की औपचारिकता का पालन किया। परीक्षार्थी का परिचय देकर उनको परीक्षा के तीन भागों की जानकारी और अपनी ओर से वाचिक सहायता या उनके अधूरे वाक्यों को पूरा किए बिना अपनी योग्यता प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए। सभी परीक्षा केन्द्रों द्वारा इस नियम का समान रूप से पालन करने की आवश्यकता है।

संभाषण की रिकॉर्डिंग का स्तर प्रायः अच्छा था। कुछ केन्द्रों की रिकॉर्डिंग की पृष्ठभूमि में विद्यालय के खेल के मैदान से लगातार आने वाले शोर रिकॉर्डिंग के स्तर में हस्तक्षेप कर रहे थे।

## विशिष्ट प्रश्नों पर टिप्पणी:

### भाग 1. विषय प्रस्तुति:

परीक्षार्थियों के प्रस्तुतीकरण के स्तर श्रेष्ठ, सामान्य और अतिसाधारण के मिलेजुले रूप में थे। श्रेष्ठ प्रस्तुति करने वाले परीक्षार्थियों ने विषय वस्तु का निर्वाह सुघटित रूप से किया और विषय संबंधित विस्तृत जानकारी को जीवंत तथा रोचक रूप से प्रस्तुत किया। उनकी भाषा की विशेषता विषय के अनुकूल शब्दावलि और व्याकरण-सम्मत सरल तथा मिश्रित वाक्य थे जिनमें कुछ त्रुटियों के बावजूद अर्थग्रहण में बाधा नहीं हुई। उच्चारण और ध्वनि के प्रभावी उदाहरण भी सुनने को मिले। कुछ परीक्षार्थी अपनी बात कहने के लिए अंग्रेजी शब्दों का सहारा ले रहे थे। इस प्रकार के आचरण पर रोक लगाने की आवश्यकता है। कुछ परीक्षार्थियों ने पाठ्यक्रम के नियम के विपरीत पूर्व लिखित लेख पढ़कर विषय प्रस्तुति की भविष्य में इस प्रकार के नियम-विरुद्ध-व्यवहार (मालप्रैक्टिस) से बचना आवश्यक है।

### भाग 2. विषय वार्तालाप:

परीक्षा के इस भाग का उद्देश्य परीक्षार्थी के तैयार किए विषय को विस्तार देना है। इसमें पहले भाग के कथ्य की पुनरावृत्ति नहीं बल्कि परीक्षार्थी के विषय-ज्ञान को चुनौती देकर उसका विस्तार अपेक्षित है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विषय से संबंधित प्रश्नों की पूर्व तैयारी आवश्यक है। कुल मिलाकर इस भाग में परीक्षार्थियों ने अच्छी/बहुत अच्छी योग्यता प्रदर्शित की। उनके उत्तर सहज और विचारपूर्ण और शब्दावलि सीमित थी पर, भाषा संबंधी गलतियाँ कथ्य-संप्रेषण में बाधक नहीं हुईं। सामान्यतः पूछे गए प्रश्न परीक्षार्थियों की विषय वस्तु और उम्र के उपयुक्त थे। परीक्षार्थियों से अपेक्षित है कि वे परीक्षक से वाचिक सहायता के बिना अपने उत्तर दें, परंतु इसका समान रूप से पालन नहीं किया गया।

### भाग 3: सामान्य वार्तालाप:

परीक्षा के इस भाग में बातचीत की कला और भाषा की प्रवाहशीलता का मूल्यांकन किया जाता है। परीक्षार्थी को वार्तालाप की पूर्व सूचना नहीं दी जानी चाहिए। कुछेक केंद्रों में पाठ्यक्रम के इस निदेश का पालन नहीं किया गया। उनके परस्पर वार्तालाप से यह स्पष्ट था कि परीक्षार्थियों को पहले से वार्तालाप के विषय चुनने दिए गए थे। इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम में निर्धारित A-B खंड से एक विषय और C-E से एक विषय पर वार्तालाप करने के निदेश का भी समान रूप से पालन नहीं किया गया। कुछ केन्द्रों के परीक्षक इस भाग में भी प्रथम भाग की विषय प्रस्तुति पर बातचीत कर रहे थे। इस भाग को पाठ्यक्रम के अनुसार ध्यानपूर्वक सुगठित करके संचालित करने की आवश्यकता है। साथ ही, परीक्षा के समय परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की सहायता देने के प्रलोभन से बच कर उन्हें अपनी वास्त्विक योग्यता प्रदर्शित करने का अवसर देना आवश्यक है।

# HINDI AS A SECOND LANGUAGE

---

Paper 0549/03  
Speaking

## Key messages

In 2019 the Speaking Test has been introduced for this syllabus for the first time. There is no question paper for the Speaking Test. The Test is comprised of three parts.

**Part 1:** Candidates give a 2 to 3 minute presentation on a topic chosen from the list of topics prescribed in the Syllabus. Candidates may prepare a single cue card, containing maximum five headings and some illustrative material to bring into the examination room. Any additional written support or script for their presentation is not allowed.

**Part 2:** Candidates have 3 to 4 minute discussion with the examiner about the Presentation to further assess their knowledge and understanding of their prepared topic in an interactive manner.

**Part 3:** Candidates engage in a 3 to 4 minute conversation with the examiner about at least two general topics from the syllabus (one from areas A–B and one from areas C–E). Candidates are not given prior information about the topics

## General comments

Most candidates performed well in the Speaking test in this year's examination. Candidates who did well were well prepared for the three part examination and followed the guidelines set out. The examination protocol was followed by most of the internal examiners. They introduced the candidates, explained the composition of three part examination and gave them the opportunity to perform best to their ability without prompting them or attempting to complete their sentences for them. This needs to be followed by all the centres.

The recordings were mostly of a good quality. In some instances constant background noises, which seemed to be coming from the school playground, interfered with the quality of recording.

## Comments on specific questions

### **Part 1: Topic Presentation**

The performance varied from excellent to average/below average. Candidates who did well made a well organised presentation. They covered the topic area comprehensively to make it lively and interesting. They used topic appropriate vocabulary, simple and some complex grammatical structures to present ideas, opinions and facts. Their pronunciation and intonation were good. Some candidates tended to use English words frequently. This practice needs to be discouraged. Contrary to the Syllabus Guidelines, it was obvious that some of the candidates made their presentation by reading from a written script. This constitutes as Malpractice and should be avoided in future.

### **Part 2: Topic Conversation**

This part of the Speaking Test is designed to stretch and challenge the candidate on their prepared topic. It should not be a repetition of the Presentation. Ideally, the questions should be well thought out to achieve this objective.

The overall performance was good to very good. Most candidates responded spontaneously and thoughtfully. They used sufficient range of precise vocabulary and errors did not impede communication. The

questions were generally relevant for the topic and age of the candidates. Candidates are expected to respond without any prompting from the examiner, but this was not followed consistently.

**Part 3: General Conversation**

This part of the Speaking test assesses the conversational skills and fluency in Hindi. The candidates are not meant to have the prior knowledge of the topics. In a good number of cases this was not followed. It was clear from the conversations that they were told to select their own topics for general conversation. The guidelines to choose one topic from areas A to B and another one from C to E were not followed in majority of the cases. Some of the General Conversations continued to be about the Topic Presentation. This part of the Speaking Test needs to be structured carefully in line with the Syllabus. It is also important to resist from prompting the answers for the candidates in order to enable them to show their true ability.

